



दिनांक: 10 अगस्त 2023

प्राथमिक शिक्षा रिपोर्ट

इस लेख में "दैनिक करंट अफेयर्स" के विषय में "शासन व्यवस्था, संविधान शासन-प्रणाली, सामाजिक न्याय" से संबंधित **ग्रामीण भारत में प्रारंभिक शिक्षा की स्थिति रिपोर्ट** को शामिल किया गया है।

प्रीलिम्स के लिए ?

- ग्रामीण भारत में प्रारंभिक शिक्षा की स्थिति,
- स्मार्टफोन के उपयोग को बढ़ावा।

मुख्य परीक्षा के लिए-

- सामान्य अध्ययन- II: शासन व्यवस्था, संविधान शासन-प्रणाली, सामाजिक न्याय सरकारी नीतियां और हस्तक्षेप।
में **ग्रामीण भारत में प्रारंभिक शिक्षा की स्थिति रिपोर्ट**

संदर्भ-

- हाल ही में केंद्रीय शिक्षा मंत्री द्वारा ग्रामीण भारत में प्रारंभिक शिक्षा की स्थिति रिपोर्ट जारी की गई थी।

**प्रमुख बिन्दु-
रिपोर्ट के बारे में-**

- यह एनजीओ ट्रांसफॉर्म रूरल इंडिया (NGO Transform Rural India) और संबोधि रिसर्च एंड कम्युनिकेशंस (Sambodhi Research and Communications) के सहयोग से डेवलपमेंट इंटेलिजेंस यूनिट (Development Intelligence Unit- DIU) द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण पर आधारित है।
- इसमें 21 राज्यों के ग्रामीण समुदायों में 6-16 वर्ष की आयु के स्कूली बच्चों के 6,229 माता-पिता की प्रतिक्रियाओं को शामिल किया गया।
- सर्वेक्षण में शामिल 6,229 माता-पिता की प्रतिक्रियाओं में से 6,135 स्कूल जाने वाले बच्चे थे, 56 ऐसे बच्चे थे जिन्होंने स्कूल छोड़ दिया था, और 38 ऐसे बच्चे थे जिन्होंने कभी स्कूल में दाखिला नहीं लिया था।

Aspiring for higher education

The table shows parental expectations of a child's educational attainment. About 78% of parents aspire for their girls to attain graduation or higher degrees



Expected level of education of child	Boy (%)	Girl (%)	Total (%)
Up to elementary	4.4	3.9	4
Up to secondary	2.4	2.8	3
Higher secondary	11.1	15.2	13
Graduation	49.6	50.3	50
Postgraduation/Ph.D.	32.5	27.8	30

Dropping out: Parents of a section of girls said their daughters dropped out of school to help out in the family's earnings R. RAGU

• About 80% of parents aspire for their children to become graduates or attain higher degrees

• The survey included responses of 6,225 parents across 21 States of India.

Source: State of Elementary Education in Rural India report

**मुख्य विशेषताएं-
यूजर्स डेटा:-**

- इसमें सामने आया कि ज्यादा बच्चे पढ़ाई के बजाय मनोरंजन के लिए स्मार्टफोन का इस्तेमाल करते हैं।
- ग्रामीण भारत में 49.3% छात्रों के पास स्मार्टफोन की पहुंच है।

- हालांकि, जिन माता-पिता के बच्चों के पास गैजेट्स तक पहुंच है, उनमें से 76.7% ने मुख्य रूप से कहा कि वीडियो गेम खेलने के लिए मोबाइल फोन का उपयोग किया जाता है।

घर पर सीखने का माहौल:-

- सर्वेक्षण के अनुसार, 40% माता-पिता के पास अपने बच्चों के लिए स्कूली किताबों के अलावा घर पर उनकी उम्र के अनुरूप पढ़ने की सामग्री होती है। इसके अलावा, केवल 40% माता-पिता अपने बच्चों के साथ दैनिक चर्चा करते हैं कि वे स्कूल में क्या सीख रहे हैं, जबकि 32% सप्ताह में कुछ दिन ऐसा करते हैं।

माता-पिता की भागीदारी:-

- 84% माता-पिता ने बताया कि वे नियमित रूप से अपने बच्चों के स्कूलों में अभिभावक-शिक्षक सम्मेलन में भाग लेते हैं। नोटिस की कमी और अनिच्छा माता-पिता के लिए सम्मेलन में भाग लेने में मुख्य बाधाएँ थीं।

स्कूल छोड़ने और स्कूल न जाने वाले बच्चों के कारण:-

- स्कूल छोड़ने वाले 56 छात्रों के माता-पिता में से, 36.8 प्रतिशत ने उल्लेख किया कि उनकी बेटियों का स्कूल छोड़ना परिवार की कमाई में योगदान करने की आवश्यकता के कारण था। लड़कों के लिए, पढ़ाई छोड़ने का प्राथमिक कारण पढ़ाई में रुचि की कमी थी, जिसे 71.8 प्रतिशत माता-पिता ने उद्धृत किया।

सुझाव-

- रिपोर्ट में शिक्षा में समावेशी वातावरण को बढ़ावा देने के लिए माता-पिता की इन सामान्य और प्रगतिशील आकांक्षाओं को पहचानने और समर्थन करने के महत्व पर जोर दिया गया है।
- इस सकारात्मक प्रवृत्ति को स्वीकार करने और पोषित करने से ग्रामीण भारत में लड़कों और लड़कियों दोनों के लिए स्थायी अवसर पैदा हो सकते हैं।
- एक आशा है कि नीति निर्माता, शैक्षिक संस्थान और अन्य हितधारक एक समावेशी वातावरण स्थापित करने के लिए इन सामान्य आकांक्षाओं को स्वीकार करेंगे जो ग्रामीण भारत में हर बच्चे के लिए वृद्धि और विकास सुनिश्चित करता है।

सरकारी पहल-

- **सर्व शिक्षा अभियान (Sarva Shiksha Abhiyan, SSA):** यह योजना 2001 में शुरू की गई थी और इसका उद्देश्य था कि सभी बच्चों को आदर्श मानकों के अनुसार निःशुल्क और अनिवार्य बुनियादी शिक्षा प्राप्त होनी चाहिए।
- **राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (Rashtriya Madhyamik Shiksha Abhiyan, RMSA):** इस योजना के तहत माध्यमिक शिक्षा के क्षेत्र में सुधार किया जाता है, जिसका मुख्य उद्देश्य है ग्रामीण क्षेत्रों में माध्यमिक शिक्षा के स्तर को मजबूती देना।
- **प्रधानमंत्री ग्रामीण डिजिटल साक्षरता अभियान (PMGDISHA):** यह अभियान ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए शुरू किया गया है। इसके तहत ग्रामीण लोगों को डिजिटल उपकरणों का प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे डिजिटल दुनिया में भागीदारी कर सकें।
- **मिड डे मील योजना:** यह योजना ग्रामीण विद्यालयों में छात्रों को मिड डे मील प्रदान करने के लिए शुरू की गई है, ताकि उनकी पोषण स्तर में सुधार हो सके और उनकी शिक्षा परिणामस्वरूप बेहतर हो सके।
- **बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ:** इस योजना का उद्देश्य बेटियों के प्रति जातिगत भेदभाव को कम करना और उन्हें शिक्षा के अधिकार की दिशा में प्रोत्साहित करना है।
- **ग्रामीण शिक्षा मिशन:** इस मिशन के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के क्षेत्र में सुधार करने का प्रयास किया जाता है, जिसमें शिक्षकों की प्रशिक्षण, शैक्षिक सामग्री की पुनरावलोकन आदि शामिल हैं।
- **राष्ट्रीय शिक्षा नीति (National Education Policy- NEP), 2020:** में कहा गया है कि "ग्रामीण स्तर पर शिक्षा के स्तर को तकनीकी, वैज्ञानिक समझ को बढ़ते हुए आधुनिक बुनियादी ढांचे की सुविधा प्रदान की जाएगी।"

ये कुछ मुख्य योजनाएँ हैं जो भारत सरकार द्वारा ग्रामीण शिक्षा के क्षेत्र में लागू की गई हैं। ये योजनाएँ ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के स्तर को सुधारने और समृद्धि की दिशा में कदम बढ़ाने का प्रयास करती हैं।

स्रोत: TH

प्रारंभिक परीक्षा के लिए प्रश्न -

निम्नलिखित कथनों में से विचार कीजिए-

1. हाल ही में केंद्रीय शिक्षा मंत्री द्वारा ग्रामीण भारत में प्रारंभिक शिक्षा की स्थिति रिपोर्ट जारी की गई थी।
2. 3% छात्रों के पास स्मार्टफोन की पहुंच है। पढ़ाई के बजाय मनोरंजन के लिए स्मार्टफोन का इस्तेमाल करते हैं।
3. सर्व शिक्षा अभियान (Sarva Shiksha Abhiyan, SSA): यह योजना 2001 में शुरू की गई थी।

उपरोक्त कथनों में से कितने कथन सही हैं ?-

1. केवल 1
2. केवल 2
3. उपरोक्त में से सभी।
4. उपरोक्त में से कोई नहीं।

मुख्य परीक्षा के लिए प्रश्न - हाल ही में केंद्रीय शिक्षा मंत्री द्वारा ग्रामीण भारत में प्रारंभिक शिक्षा की स्थिति रिपोर्ट जारी की गई घर पर शैक्षिक माहौल बनाने तथा मनोरंजन और सीखने दोनों उद्देश्यों के लिये स्मार्टफोन के संतुलित उपयोग को बढ़ावा देने हेतु लक्षित प्रयासों की आवश्यकता पर जोर देते हैं। चर्चा कीजिए

Rajiv Pandey

पर्यावरण पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रभाव

इस लेख में "दैनिक करंट अफेयर्स" के विषय में "इंडियन एक्सप्रेस" में प्रकाशित लेख पर्यावरण पर AI का प्रभाव" से संबंधित विषय को शामिल किया गया है।

प्रीलिम्स के लिए ?

- चैटजीपीटी, कार्बन उत्सर्जन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता

मुख्य परीक्षा के लिए-

- सामान्य अध्ययन- III: विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी-विकास एवं अनुप्रयोग और रोजमर्रा के जीवन पर इसका प्रभाव।

संदर्भ-

- चैटजीपीटी आश्चर्यजनक रूप से मानवीय भाषा को समझने, उसके सवालों का उत्तर देने, विविध विषयों पर विचार क्रियाएँ प्रस्तुत करने, शिक्षात्मक और मनोरंजन सामग्री तैयार करने, सामान्य ज्ञान प्रदान करने, प्रोग्रामिंग से संबंधित सहायता, भाषा अनुवाद, कला और साहित्य के बारे में जानकारी प्रदान करने आदि कार्य कर सकता है। यह एक सामान्य विवरण है, और उसकी क्षमताएँ नियमित अपग्रेड के साथ विस्तारित होती रहती हैं। यही वजह रही है की इसने आम जनता का ध्यान खींचा है।



प्रमुख बिन्दु-

- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में निवेश तेजी से बढ़ रहा है। वैश्विक **एआई बाजार वर्तमान में \$ 142.3 बिलियन का है, और 2030 तक लगभग \$ 2 ट्रिलियन तक बढ़ने की उम्मीद है।**
- एआई सिस्टम पहले से ही हमारे जीवन का एक बड़ा हिस्सा हैं, जो सरकारों, उद्योगों और लोगों को अधिक कुशल होने और डेटा-संचालित निर्णय लेने में मदद करते हैं।

पर्यावरण पर प्रभाव-

कई अन्य उद्योगों में उपयोग होने के बावजूद, इस तकनीक में कई गंभीर कमियां हैं, विशेष रूप से पर्यावरण के संबंध में। जैसे-

- **बड़ा कार्बन पदचिह्न:** एआई मॉडल द्वारा डेटा को संसाधित करते हैं तो हमारी कई दैनिक गतिविधियाँ से ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन का कारण बनती हैं। किसी कार की तस्वीर को पहचानने के लिए एल्गोरिदम को प्रशिक्षित करने के लिए बड़ी संख्या में छवियों को खंगालना होगा। डेटा केंद्रों में इन सभी डेटा के प्रसंस्करण में बहुत अधिक कंप्यूटिंग शक्ति और ऊर्जा का उपयोग होता है।
- **वैश्विक CO2 उत्सर्जन:** एनजीओ एल्गोरिदम वॉच का कहना है कि पूरे डेटा सेंटर बुनियादी ढांचे और डेटा सबमिशन नेटवर्क में विमानन उद्योग के उत्सर्जन के बराबर वैश्विक CO2 उत्सर्जन का 2-4% हिस्सा है।
- **प्रशिक्षण एआई:** AI प्रशिक्षण: 2019 के एक प्रकाशन में, मैसाचुसेट्स के शोधकर्ताओं ने पाया कि एक विशिष्ट बड़े AI मॉडल को प्रशिक्षित करने से 284,000 किलोग्राम CO2 के बराबर, या निर्माण प्रक्रिया सहित अपने जीवनकाल में एक कार की तुलना में लगभग पांच गुना अधिक उत्सर्जन हो सकता है।
- **पानी की कमी:** पानी की कमी: सैंटियागो और चिली के पानी की कमी वाले क्षेत्रों में, सुविधाओं को अधिक गर्म होने से बचाने के लिए भारी मात्रा में पानी के उपयोग ने चिंता पैदा कर दी है। स्थानीय निवासी वास्तव में डेटा केंद्र के खिलाफ विद्रोह कर रहे हैं क्योंकि वहां गूगल का डेटा केंद्र स्थानीय सूखे को बदतर बना रहा है।
- **उपभोक्तावाद को बढ़ावा देता है:** एआई एल्गोरिदम का उपयोग विज्ञापन के लिए किया जाता है जो उद्देश्यपूर्ण रूप से खपत को बढ़ावा देने के लिए बनाए जाते हैं, जिसका पर्यावरण पर बड़ा नकारात्मक प्रभाव के साथ जलवायु लागत को बढ़ावा देता है। कंपनियां अपने तेल और गैस संचालन का विस्तार करने, लागत कम करने और कुछ मामलों में उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए एआई उपकरणों का उपयोग कर रही हैं। इस तरह के उपयोग **जलवायु प्रतिबद्धताओं** को काफी कमजोर करते हैं।



पर्यावरण पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) का प्रभाव मिश्रित हो सकता है, और इसका परिणाम विभिन्न तरीकों से आवश्यकताओं और प्रतिक्रियाओं में बदल सकता है। निम्नलिखित कुछ प्रमुख प्रभाव हो सकते हैं:

- **सुरक्षा और निगरानी में सुधार:** AI विकास में पर्यावरण की सुरक्षा और निगरानी में सुधार कर सकता है। उदाहरण स्वरूप, ऑटोमेटेड ड्रोन और सेंसरस पारिस्थितिकी और वन्यजीव संरक्षण के लिए प्रयुक्त हो सकते हैं, जो सबसे अद्यतित जानकारी प्रदान करने में मदद कर सकते हैं।
- **प्रदूषण का नियंत्रण:** AI प्रदूषण के स्रोतों की निगरानी और नियंत्रण में मदद कर सकता है। उदाहरण स्वरूप, सेंसरस डेटा और AI विश्लेषण वायु और जल प्रदूषण के स्तरों को मापने और ट्रैक करने में मदद कर सकते हैं, जिससे प्रदूषण के प्रबंधन में सुधार हो सकता है।

- **समर्थ ऊर्जा प्रबंधन:** AI ऊर्जा संचयन और वितरण को समर्थन कर सकता है, जो स्थानीय ऊर्जा संसाधनों का उपयोग करके पर्यावरण को बचाने में मदद कर सकता है।
- **जलवायु पूर्वानुमान और विनियामक कार्रवाई:** AI जलवायु परिवर्तन के पूर्वानुमान और संभावित प्रभावों की विश्लेषण में मदद कर सकता है, जिससे सशक्त और सुसंगत कार्रवाई की जा सकती है।
- **संवेदनशीलता और शिक्षा:** AI के माध्यम से जनसमृद्धि और शिक्षा के प्रोत्साहन के लिए विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा सकते हैं, जो पर्यावरणीय जागरूकता को बढ़ावा देने में मदद करेंगे।
- **संसाधन प्रबंधन:** AI संसाधनों की सही उपयोग और प्रबंधन में मदद कर सकता है, जैसे कि वनस्पति संरक्षण, जलवायु प्रतिबंधन, और वन्यजीव संरक्षण में।
- **विनियमित संवेदनशील उत्पाद:** AI उत्पाद डिज़ाइन, निर्माण और पैकेजिंग में सहायक हो सकता है ताकि पर्यावरण को कम हानि पहुंचे।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) या कृत्रिम बुद्धिमत्ता-

- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की शुरुआत 1950 के दशक में हुई थी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का अर्थ है बनावटी (कृत्रिम) तरीके से विकसित की गई बौद्धिक क्षमता। इसके ज़रिये कंप्यूटर सिस्टम या रोबोटिक सिस्टम तैयार किया जाता है, जिसे उन्हीं तकों के आधार पर चलाने का प्रयास किया जाता है जिसके आधार पर मानव मस्तिष्क काम करता है।

Chat Gpt क्या है-

- Chat Gpt वास्तव में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) पर आधारित एक Chatbot है, जिसे ओपन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (Open AI) द्वारा तैयार (Develop) किया गया है। Chat Gpt का इस्तेमाल एक सर्च इंजन कि तरह किया जा सकता है, जहां आप अपने सारे सवालों के जवाब ढूँढ सकते हैं।

उपाय-

- **पर्यावरण संबंधी चिंताओं को शुरू से ही ध्यान में रखा जाना चाहिए** – एल्गोरिथम डिजाइन और प्रशिक्षण चरणों में, ऊर्जा की खपत, उत्सर्जन और सामग्री विषाक्तता और इलेक्ट्रॉनिक अपशिष्ट भी।
- कंपनियां बड़े और बड़े एआई मॉडल बनाने की मौजूदा प्रवृत्ति के विपरीत, एआई मॉडल को छोटा कर सकती हैं, छोटे डेटा सेट का उपयोग कर सकती हैं और यह सुनिश्चित कर सकती हैं कि एआई को उपलब्ध सबसे प्रभावी हार्डवेयर पर प्रशिक्षित किया गया है।
- उन क्षेत्रों में डेटा केंद्रों का उपयोग करना जो नवीकरणीय ऊर्जा पर निर्भर करते हैं और ठंडा करने के लिए भारी मात्रा में पानी की आवश्यकता नहीं होती है। जैसे। जीवाश्म ईंधन का उपयोग करने वाले अमेरिका या ऑस्ट्रेलिया के केंद्र आइसलैंड की तुलना में अधिक उत्सर्जन का उत्पादन करेंगे, जहां भूतापीय शक्ति और कम तापमान शीतलन सर्वर को आसान बनाते हैं।
- जिस तरह से जलवायु परिवर्तन में योगदान देने वाले कार्यों में तेजी लाने के लिए एआई का उपयोग किया जा रहा है, उस पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है।
- **गूगल** का कहना है कि उसका कार्बन फुटप्रिंट शून्य है और इसका लक्ष्य 2030 तक विशेष रूप से कार्बन मुक्त ऊर्जा पर काम करना है। माइक्रोसॉफ्ट ने 2030 तक कार्बन नकारात्मक होने का वादा किया है और मेटा ने 2030 तक अपनी मूल्य श्रृंखला में नेट-शून्य तक पहुंचने की योजना बनाई है।

आगे का रास्ता-

- कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भूमिका केवल भविष्य में अधिक महत्वपूर्ण होने की संभावना है। और इस तरह की तेजी से आगे बढ़ने वाली तकनीक को बनाए रखना एक चुनौती होगी।
- एआई विकास को सुनिश्चित करने के लिए विनियमन महत्वपूर्ण है और उत्सर्जन लक्ष्यों तक पहुंचना कठिन नहीं बनाता है।
- यूरोपीय संघ में, सांसद एआई अधिनियम पर काम कर रहे हैं, जिसमें पर्यावरणीय चिंताओं को शामिल किया जाना चाहिए।

- क्षेत्र में नवाचार को प्रोत्साहित करने और इस नई तकनीक के लाभों का लाभ उठाने के लिए, संभावित खतरों से बचने और नागरिकों की रक्षा करने की आवश्यकता है।

स्रोत: IE

प्रारंभिक परीक्षा के लिए प्रश्न – “आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) या कृत्रिम बुद्धिमत्ता का क्या अर्थ है?

1. यह पहले से मौजूद डाटा का समाधान।
2. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का अर्थ है बनावटी (कृत्रिम) तरीके से विकसित की गई बौद्धिक क्षमता।
3. A और B दोनों
4. इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर-(2)

मुख्य परीक्षा के लिए प्रश्न- कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) तकनीक क्या हैं और यह किस तरीके से पर्यावरण पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) या कृत्रिम बुद्धिमत्ता लोगों को प्रभावित कर रहा है चर्चा कीजिए।

Rajiv Pandey

